हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनको अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

लोक पर्व "हरेला" हमारी सांस्कृतिक.. 8

वर्ष : 14 अंक : 314 | देहरादून,गुरूवार 17 जुलाई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

हरेला पर्व पर राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने रोपा रुद्राक्ष का पौधा

प्रदेश में हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ" थीम पर किया गया पौधा रोपण

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज परिसर, देहरादून में 卐हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ卐 थीम पर आयोजित राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए समस्त प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने रुद्राक्ष का पौधा रोपा ।

हरेला हमारी संस्कृति और चेतना का पर्व है

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो हमें पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि हरेला पर्व के दिन लगभग 5 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन विभाग के प्रत्येक डिवीजन में 50 प्रतिशत फलदार पौधे लगाए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि इस महाभियान में सरकार द्वारा जनसहभागिता, स्वयंसेवी संगठनों, छात्र-छात्राओं, महिला समूहों और पंचायतों का सहयोग लिया जा रहा है।

पेड़ बनना ही पौधारोपण की सच्ची सफलता

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हमें यह

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

कांग्रेस ने खराब मौसम के बाद भी केदारनाथ में हेली उड़ान पर उठाए सवाल

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । प्रदेश कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चारधाम यात्रा के दौरान लगातार हो रही हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को देखते हुए भारत सरकार के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बरसात के मौसम में हवाई सेवाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए थे। लेकिन बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम की यात्रा कर न केवल नियमों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि एक बार फिर वीआईपी संस्कृति को खुला समर्थन दिया है। बुधवार को मीडिया को जारी बयान में पार्टी प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने कहा कि जब आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उड़ानों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है, तो बीकेटीसी अध्यक्ष को यह विशेष छूट कैसे और क्यों दी गई? यह सीधा-सीधा एक देश, दो नियम की स्थिति को दर्शाता है और सरकारी नियमों के प्रति असम्मान का उदाहरण है। उन्होंने बीकेटीसी अध्यक्ष की इस यात्रा को गैर-जिम्मेदाराना और नियम-विरोधी बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यूकाडा और डीजीसीए को स्पष्ट करना चाहिए कि खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर को उड़ान की अनुमति किसी आधार पर दी गई। गरिमा ने कहा कि यह प्रकरण केवल एक हेलीकॉप्टर उड़ान का नहीं, बल्कि सत्ता और पद के दुरुपयोग का प्रतीक है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उधर, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि अनुमति क्यों और किस आधार पर दी गई, कांग्रेस को यह जवाब यूकाडा या डीजीसीए से मांगना चाहिए। वह इस बारे में कुछ नहीं कहेंगे।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया की अध्यक्षता में हुई इंडिया पोस्ट व्यवसायिक बैठक

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के नेतृत्व में डाक विभाग ने नई दिल्ली में अपनी वार्षिक व्यावसायिक बैठक 2025-26 का आयोजन किया। इस कार्यनीतिक बैठक में देश भर के सर्किल प्रमुखों ने भारतीय डाक के व्यावसायिक रूपांतरण की रूपरेखा और एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स एवं नागरिक-केंद्रित सेवा प्रदाता के रूप में इसकी उभरती भूमिका पर विचार-विमर्श किया। डाक सचिव वंदिता कौल ने गर्मजोशी और अंतर्दृष्टिपूर्ण संबोधन के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया और विभाग की पिछले वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भविष्य की कार्यनीतिक प्राथमिकताओं पर जोर दिया, जिनमें नवोन्मेषण, समावेशिता और इंडिया पोस्ट को एक आधुनिक, सेवा-संचालित संगठन के रूप में निरंतर विकसित करना शामिल है। आंतरिक संचार और ज्ञान साझाकरण को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, श्री सिंधिया ने एक नया मासिक ई-न्यूजलेटर, डाक संवाद लॉन्च किया। यह प्लेटफॉर्म नवोन्मेषणों, व्यावसायिक अंतर्दृष्टि और क्षेत्र की सफलता गाथाओं को उजागर करेगा, साथ ही रूपांतरण की सरल कहानियों, इंडिया पोस्ट के कर्मचारियों के अदम्य उत्साह और उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले नागरिकों के अटूट विश्वास को भी सामने लाएगा। डाक संवाद का उद्देश्य विशाल इंडिया पोस्ट नेटवर्क में हितधारकों को प्रेरित, शिक्षित और परस्पर जोड़ना है।

बैठक के दौरान, सभी सर्किल प्रमुखों ने अपने व्यावसायिक निष्पादन, क्षेत्रीय पहलों, चुनौतियों और विकास को गति देने की कार्यनीतियों पर प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करने और लॉजिस्टिक्स, बैंकिंग, ई-कॉमर्स और सार्वजनिक सेवा वितरण में इंडिया पोस्ट की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किए जा रहे जीवंत और जमीनी प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। श्री सिंधिया ने प्रतिनिधियों के साथ गहन बातचीत की और प्रत्येक क्षेत्र के विकास, बाधाओं और आकांक्षाओं को ध्यान से सुना। अपने संबोधन में, उन्होंने ग्रामीण-शहरी अंतर को पाटने और मजबूत लॉजिस्टिक्स, वित्तीय समावेशन और डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम से समावेशी विकास को मजबूत करने में इंडिया पोस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराया।

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

सीआईएमएस कॉलेज नें हरेला पर लिया प्रकृति संवारने का संकल्प

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । सीआईएमएस कॉलेज कुआंवाला में बुधवार को हरेला पर आओ प्रकृति संवारे हरेला उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान उत्तराखण्ड प्रांत, सजग इंडिया एवं सीआईएमएस कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जेएमएस राणा, प्रो. अनीता रावत, राजीव नयन पांडे, इन्द्रपाल सिंह परमार, मनोज रयाल विशिष्ट ने कॉलेज परिसर में पौधरोपण किया। सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज एवं सजग इंडिया के अध्यक्ष ललित मोहन जोशी ने हरेला के सांस्कृतिक पक्ष के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आज के युग में प्रकृति से जुड़ाव और हरियाली का संरक्षण समय की आवश्यकता है। हरेला इस दिशा में जनजागृति का पर्व बन सकता है। प्रो. जेएमएस राणा ने कहा कि हरेला पर्व केवल परंपरा नहीं, यह चेतना का उत्सव है, जो गांव, घर और प्रकृति के बीच एक जीवंत संवाद कायम करता है। प्रो. अनीता रावत ने कहा कि हरेला पर्व प्रकृति को समर्पित लोक पर्व है, हम सभी को पौधारोपण करने के साथ-साथ उसकी वर्ष भर देखभाल भी करनी चाहिए। कार्यक्रम में सीआईएमएस कॉलेज के विद्यार्थियों ने हरेला एवं पर्यावरण संरक्षण पर कविताएं, भाषण प्रस्तुत किए। इस दौरान एमडी संजय जोशी, (रिटा.) मेजर ललित सामंत, डॉ. आरएन सिंह, डॉ. अंजना गुंसाई, गणेश कांडपाल, मनोज सामंत आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

जादूगर

मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत सकारात्मक भी हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं। एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बड़ा दंगा करवा सकते हैं और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े-बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विषाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी-बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सीधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य मेंअज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर उपन्यास तथा कहानी और लिख कर अमृत्व को प्राप्त किया है। देवकीनंदन खत्री जी ने भी उपन्यासों खाकर चंद्रकांता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उपन्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फक्कड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं। निसंदेह शब्द जीवंतता प्रदान करते हैं और जीवनशैली को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं और द्रौपदी द्वारा कहे गए शब्द महाभारत की उत्पत्ति का कारण बनते हैं। इसलिए सदैव कहा जाता है की संभलकर बोलने से सद्गति प्राप्त होती है। इसीलिए तो संभल कर सही और उपयुक्त शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। जो सदैव अच्छा वक्ता होता है अपने विचारों को संभल कर बोलता है भले ही वह दिलों को ना छुए पर उसका जनमानस को जीतना तय होता है और संसार पर वही राज करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल करता है, गलत शब्द से, गलत संभाषण से गलत विचारों से बोला गया वाक्य प्रलय भी ला सकता है। शब्दों को तौल कर विचार कर बोलना चाहिए अन्यथा उसके नतीजे भयानक भी हो सकते हैं। शब्दों की मार बहुत ही तेज और बहुत मीठी भी होती है एक शब्द महायुद्ध करवा सकता है और दूसरा शब्द ऐसी शीतल फुहाँरे छोड़ता है कि सारा युद्ध उन्माद अखंड शांति में बदल जाता है।

कब तक चलेगा डायन करार देकर जघन्य हत्याओं का सिलसिला

मनोज कुमार अग्रवाल

बेशक एक भारतीय शुभांगु शुक्ला धरती की सीमाओं को पार कर अंतरिक्ष में भारतीय तिरंगा लहरा रहे हैं लेकिन विज्ञान की इतनी उपलब्धि भी उस समय शून्य बन जाती है जब बिहार के एक गांव में एक परिवार के पांच सदस्यों को अंधविश्वास और पाखंड के चलते डायन करार देकर जिंदा जला दिया जाता है। देश के कई हिस्सों में समय समय पर खासकर आदिवासियों और गरीबी से ग्रस्त समुदाय के लोगों को डायन बता कर मार देने का सिलसिला सैकड़ों साल से चल रहा है आजादी के बाद भी हर साल दर्जनों महिलाओं पुरुषों को डायन करार देकर मौत के घाट उतार दिया जाता है।

आपको बता दें बिहार के पूर्णिया जिले के टेटमा गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों को डायन बताकर जिंदा जला दिया जाना आधुनिक भारत के माथे पर एक कलंक है। यह घटना किसी एक परिवार की त्रासदी नहीं बल्कि हमारे समाज की उस सामूहिक असफलता की गवाही है जिसमें विज्ञान की उपलब्धियों की चमक के बीच अंधविश्वास का अंधेरा आज भी कई जीवन निगल रहा है। आज भारत विश्व गुरु बनने की बात कर रहा है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों पर करोड़ों का निवेश कर रहा है। एक ओर आर्टिफिशियल इंटेलिजेस और क्वांटम कंप्यूटिंग की दिशा में अग्रसर है लेकिन इन वैज्ञानिक उपलब्धियों का कोई मायने नहीं रह जाते है, जब हमारे गांवों में ही दो सौ से अधिक लोगों की भीड़ एक बीमार बच्चे के लिए किसी परिवार को जिम्मेदार ठहरा कर जादू टोने का इल्जाम लगा कर जिंदा जला कर मार देती है। यह घटना साफ दर्शाती है कि हमारे देश में आज भी कानून व्यवस्था की स्थिति कितनी लचर और बेकार है कि लोग बेखौफ होकर लाचार गरीब अशिक्षित लोगों खासकर महिलाओं के खून से हाथ रंग रहे हैं उन्हें पुलिस कानून किसी का भय नहीं है। भारत में विज्ञान के विस्तार और वैज्ञानिक चेतना के विस्तार के बीच एक गहरी खाई है। हम तरक्की कर रहे है, लेकिन समाज के भीतर वैज्ञानिक सोच नहीं बना पा रहे हैं। डायन प्रथा जैसी बर्बर कुप्रथा आज भी जीवित है।दरअसल हमने शिक्षा को केवल परीक्षा को पास करने का माध्यम बना दिया है। सोचने, तर्क करने और जिज्ञासा से सच्चाई तलाशने का अभ्यास नहीं कर रहे हैं। यह घटना सवाल उठाती है कि आखिर हमारी स्कूल व्यवस्था हमारे सामाजिक जागरूकता अभियान और हमारे जनप्रतिनिमि इस अंधविश्वास से लड़ने में क्यों विफल हो रहे हैं?

एक रिपोर्ट के अनुसार आज भी बिहार के हजारों गांवों में विज्ञान सिर्फ किताबों तक सीमित है। ग्रामीण स्कूलों में विज्ञान पढ़ाया तो जाता है, लेकिन विज्ञान की दृष्टि यानी आलोचनात्मक और तर्कपूर्ण सोच का विकास नहीं हो पाता। क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि बीमारी किसी डायन के कारण नहीं, बल्कि वैक्टीरिया वायरस, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण होती है? क्या हम गांवों में यह बात पहुंचा पा रहे हैं कि हर प्राकृतिक घटना का वैज्ञानिक कारण होता है और इसका हल किसी ओझा या तांत्रिक के पास नहीं, डॉक्टर और वैज्ञानिकों के पास होता है। इस हत्याकांड की भयावहता और खुली बर्बरता इस बात की गवाही देती है कि लोगों के मन से पुलिस और कानून का भय खत्म हो चुका है। दो सौ से अधिक लोग एक परिवार को जिंदा जला रहे है और कहीं कोई प्रशासन, कोई हस्तक्षेप, कोई सुरक्षा नहीं है। यह राज्य विहीनता की स्थित्ति है। सरकार की भूमिका केवल एफआईआर मुआवजे तक सीमित रह गई है। हमें स्वीकार करना ही होगा कि यह लड़ाई केवल अपराध से नहीं, बल्कि अज्ञान, भरा और पीढ़ियों से चली आ रहे अंधविश्वास और जादू टोना से है। इसका जवाब केवल कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती, इसके लिए जमीनी स्तर पर एक वैचारिक वैज्ञानिक चेतना अभियान चलाने की जरूरत है।सुझाव दिया जा सकता है कि इसके लिए हर पंचायत में विज्ञान क्लव बनाए जाएं, जिसमें बच्चों, महिलाएं और बुजुर्ग भाग लें और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपने जीवन से जोड़ सके। स्कूलों की पाठ्यपुस्तकों में अंधविश्वास विरोधी अध्ययन शामिल किया जाए और डायन जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध खुलकर चचर्चा हो। जन स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा का गहरा आपस में समन्वय हो ताकि बीमारी की दिशा में लोग ओझा, तांत्रिक के पास नहीं डॉक्टर के पास जाए। पूर्णिया की यह घटना केवल दुखद नहीं एक सामूहिक आत्मग्लानों का क्षण है। यह हमें याद दिलाती है कि अगर हम आधुनिकता और परंपरा के बीच सामंजस्य नहीं बना पाए तो विज्ञान के मंदिरों से निकलकर भी हमें अंधविश्वास के दलदल में फंसे रहेंगे।

भारत के कई राज्यों में महिलाओं को डायन बताकर उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है. महिलाओं को ज़िंदा जलाने, मल खिलाने, बाल काटने और कपड़े उतारकर घुमाने जैसी भयावह घटनाएं रिपोर्ट होती रहती हैं.

झारखंड, असम, राजस्थान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार सहित कई राज्यों में ये कुप्रथा प्रचलित है. बिहार देश का पहला राज्य है जहां 1999 में डायन कुप्रथा को लेकर क़ानून था.

साल 2023 में निरंतर नाम की स्वयंसेवी संस्था ने बिहार के 10 ज़िलों में 118 गांव की 145 पीड़ित भोक्ता महिलाओं के बीच सर्वेक्षण किया था. इनमें से 97 फ़ीसदी पीड़िता महिलाएं पिछड़ी, अति पिछड़ी और दलित समुदाय की थीं.

बिहार में महिलाओं के बीच काम करने वाले संगठन बिहार महिला समाज ने इस मामले के सामने आने के बाद कहा है कि संगठन अपना एक जांच दल 10 जुलाई को पूर्णिया भेजेगा और इस मामले के ख़िलाफ़ पूरे बिहार में आंदोलन करेगा.नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक़ देश भर में 85 लोगों की हत्याएं डायन कुप्रथा की वजह से हुई हैं. वहीं झारखंड में डायन कुप्रथा के ख़िलाफ़ काम कर रही संस्था एसोसिएशन फॉर सोशल एंड ह्यूमन अवेयरनेस के संस्थापक अजय कुमार जायसवाल के मुताबिक , बीते 26 साल में झारखंड में 1800 महिलाएं मार दी गईं जिनमें 90 फ़ीसदी आदिवासी हैं. डायन कुप्रथा के ज़्यादातर मामलों में एक-दो व्यक्ति को पुलिस पकड़ती है और एक बड़ा समूह बचकर निकल जाता है. इन मामलों में क़ानून तभी प्रभावी होगा, जब सभी उत्तरदायी लोगों को सज़ा मिलेगी।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें

संपादक

दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग

हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)

मोबाईल न.- 7500581414,9359555222

Email: indiawarta@gmail.com

72 वर्षीय सरस्वती को मिली राहत: DM की सख्ती से चंद घंटों में बहाल हुआ राशन, अधिकारियों में हड़कंप

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । 72 वर्षीया सरस्वती देवी, जिन्हें महीनों से अपने तीन शादीशुदा पुत्रों के होते हुए भी राशन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था, उन्हें आखिरकार जिलाधिकारी (ष्ठरू) सविन बंसल के हस्तक्षेप से राहत मिल गई है। मंगलवार, 15 जुलाई को कलेक्ट्रेट पहुँचकर उन्होंने डीएम के सामने अपनी व्यथा सुनाई, जिसके बाद पूर्ति विभाग के अधिकारियों के हाथ-पाँव फूल गए और चंद घंटों में ही उनका राशन कार्ड बहाल कर खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।

अजबपुर निवासी सरस्वती देवी ने जिलाधिकारी को बताया कि उनके तीन पुत्र हैं, जो सभी अपने-अपने परिवारों के साथ अलग रहते हैं। वह अपनी विधवा पेंशन से जीवन यापन करती हैं। उन्होंने शिकायत की कि राशन डीलर पूर्ति विभाग की सूची में नाम न होने का हवाला देकर उन्हें राशन देने में आनाकानी कर रहा था, जबकि उन्हें पहले राशन मिलता था। उन्होंने डीएम से राशन दिलाने की गुहार लगाई।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल पूर्ति अधिकारी को तलब किया और वस्तुस्थिति से अवगत कराने के साथ-साथ महिला को तुरंत राशन दिलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी तक मामला पहुंचते ही पूर्ति विभाग के अधिकारियों/कार्मिकों में हड़कंप मच गया। कलेक्ट्रेट की कलम चलने से पहले ही पूर्ति विभाग के अधिकारी/कार्मिक दौड़े-दौड़े बुजुर्ग महिला तक पहुंचे और उसी दिन 15 जुलाई को ही उनका राशन कार्ड बहाल करते हुए उनके कोटे का खाद्यान्न सुनिश्चित किया।

'बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों का शोषण अक्षम्य' : डीएम

जिलाधिकारी बंसल ने इस अवसर पर कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और असहाय लोगों का शोषण या तिरस्कार दंडनीय होगा और इस प्रकार के मामले किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

जिलाधिकारी सविन बंसल अपने कार्यालय कक्ष में प्रतिदिन आम जनता की समस्याएं सुनते हैं और उनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हैं। वे प्राप्त होने वाली शिकायतों की स्वयं निगरानी कर रहे हैं और उनके निस्तारण की आख्या संबंधित विभागों के अधिकारियों से प्रतिदिन प्राप्त की जाती है। यह खबर सरस्वती देवी के मामले को उजागर करती है और दिखाती है कि कैसे प्रशासनिक हस्तक्षेप से तुरंत न्याय मिल सकता है, साथ ही यह अधिकारियों को जनता के प्रति जवाबदेह होने का कड़ा संदेश भी देती है।

आपदाग्रस्त बटोली में संवेदनशील प्रशासन का त्वरित एक्शन: गांव में लगा मेडिकल कैंप, डीएम ने दिए राहत के निर्देश

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । देहरादून जिले की मिसराज पट्टी का बटोली गांव, जिसका संपर्क हाल ही में टूट गया था, वहां जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल राहत और सहायता पहुंचाई है। जिलाधिकारी सविन बंसल के नेतृत्व में प्रशासनिक अमला स्वयं गांव पहुंचा और प्रभावितों का हालचाल जाना, साथ ही उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

मौके पर ही समस्याओं का समाधान

जिलाधिकारी ने गांव भ्रमण के दौरान उप जिलाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामवासियों को तहसील से संबंधित शासकीय कार्यों के लिए गांव से बाहर न जाना पड़े। सभी औपचारिकताएं गांव में ही पूरी की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, एएनएम (Au&iliary Nurse Midwife) को भी उनके निर्धारित दिनों में गांव का दौरा करने और ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच करने के निर्देश दिए गए थे।

गांव में खुली ओपीडी, 16 लोगों की जांच

जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में, आपदा प्रभावित बटोली गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक खुली ओपीडी (Out-Patient Department) का आयोजन किया। इस कैंप में बुजुर्गों, महिलाओं और स्थानीय निवासियों सहित कुल 16 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। हीमोग्लोबिन, बीपी, शुगर जैसे महत्वपूर्ण परीक्षण किए गए और मौके पर ही आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया।

रातोंरात तैयार हुआ वैकल्पिक मार्ग, राहत राशि का वितरण

अतिवृष्टि के कारण खाईयुक्त टीले में परिवर्तित शेरू खाला के रास्ते को, जिस पर महीनों का समय लगने का अनुमान था, जिला प्रशासन ने रातोंरात तैयार कर एक वैकल्पिक मार्ग भी बना दिया है। जिलाधिकारी ने गांव भ्रमण के दौरान सभी प्रभावित परिवारों को किराए के लिए 3.84 लाख रुपये का एडवांस चेक मौके पर ही सौंपा। इसके तहत, प्रति परिवार 4-4 हजार रुपये प्रतिमाह के हिसाब से तीन महीने के लिए सुरक्षित स्थानों पर रहने का इंतजाम किया गया है।

शिक्षा पर जोर

वर्षाकाल के पूरे तीन महीने तक रास्ते की दुरुस्ती के लिए क्षेत्र में 24×7 मैनपावर और मशीनरी तैनात की गई है। प्रशासन ने अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आवागमन न कराएं, बल्कि स्कूल के नजदीक ही मकान किराए पर लेकर उनकी पढ़ाई जारी रखें। इसके लिए भी तीन माह की धनराशि का चेक मौके पर ही दे दिया गया था। लोक निर्माण विभाग (PWD) को तात्कालिक सुधार हेतु 3.98 लाख रुपये भी मौके पर ही दिए गए हैं।

डीएम का कमिटमेंट: "प्रशासन हरदम खड़ा आपके समक्ष"

ग्रामीणों से बातचीत के दौरान जिलाधिकारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि प्रशासन हरदम उनके समक्ष खड़ा है। यह पहल संवेदनशील प्रशासन और त्वरित कार्रवाई का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो आपदा प्रभावितों को तत्काल राहत और भरोसा दिलाता है।

मीडियाराइट देश में एक प्रमुख मंच है कलमकारों का

देहरादून: हरेला पर्व पर सौडा सरोली में पौधा रोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । हरेला पर्व के अवसर पर देहरादून के सौडा सरोली क्षेत्र में पत्रकार यूनियन (मीडियाराइट) के अध्यक्ष अमित सिंह नेगी के नेतृत्व में एक भव्य पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कई सामाजिक संगठनों और मैड संस्था के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। "पेड़ लगाओ, जीवन पाओ, शुद्ध हवा का सुख उठाओ, पर्यावरण की रक्षा, धरती की सुरक्षा" के संदेश को आत्मसात करते हुए इस आयोजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और धरती को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ और पत्रकार यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम श्रीवास्तव ने पौधा रोपण की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, "पेड़ हमारे भविष्य के लिए बेहद जरूरी हैं। ये न केवल हमें शुद्ध हवा प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन और धरती की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और उनकी देखभाल करें।"

इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में शामिल सभी संगठनों ने एकजुट होकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को जारी रखने का वादा किया। स्थानीय निवासियों ने भी इस पहल की सराहना की और इसे पर्यावरण के प्रति सामुदायिक जिम्मेदारी का एक प्रेरणादायक उदाहरण बताया। यह आयोजन न केवल हरेला पर्व की भावना को जीवंत करता है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि छोटे-छोटे प्रयासों से हम अपनी धरती को हरा-भरा और स्वस्थ रख सकते हैं। इस अवसर पर यूनियन की ओर से वरिष्ठ पत्रकार संजीव वर्मा ,कुलदीप सिंह , विकास कुमार , सुभाष गौड़, आशीष रमोला , मोनिका डबराल ,अखिल भारतीय विकास परिषद से बीना नेगी ,माहेश्वरी ,परवीन भारद्वाज,अनुपमा भारद्वाज. बुद्धि सिंह पंवार मैड संस्था से प्रिंस कपूर,आशीष वर्मा,राहुल रावत ,गर्वित अरोड़ा, अम्बर नेगी ,अंबिका निषद आदि मौजूद रहे ।

तेजस मार्क-1ए के लिए मिला इंजन, वायुसेना को मिलेंगे नए फाइटर जेट

नईदिल्ली,एंजेंसी। भारतीय फाइटर जेट तेजस मार्क-1ए के निर्माण में अब तेजी आएगी। इस लड़ाकू विमान के लिए अमेरिकी कंपनी ने भारत को जेट इंजन की सप्लाई शुरू कर दी है। स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस मार्क-1ए के लिए सोमवार को भारत को जीई-404 इंजन प्राप्त हुआ।

रक्षा अधिकारियों के मुताबिक यह अमेरिकी कंपनी से मिला दूसरा जेट इंजन है। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय विमानन कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) तेजस का निर्माण कर रही है। जानकारी के मुताबिक एचएएल को इस वित्त वर्ष के अंत तक कुल 12 जीई-404 इंजन मिलने हैं। ये सभी इंजन भारतीय लड़ाकू विमान तेजस मार्क-1ए में लगाए जाएंगे।

गौरतलब है कि भारतीय वायुसेना ने अपनी फ्लीट के लिए 83 एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दिया है। दरअसल भारतीय वायुसेना को नए लड़ाकू विमानों की आवश्यकता है। इसके लिए वायुसेना ने स्वदेशी लड़ाकू का विकल्प चुना है। इन लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में हो रही देरी को लेकर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह विभिन्न मौकों पर अपना बात भी रख चुके हैं। उन्होंने एलसीए मार्क-1ए की लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में हो रही देरी को स्वीकार किया और इसको लेकर चिंता व्यक्त की थी। माना जा रहा है कि अब वायुसेना को जल्द नए विमानों की आपूर्ति की जा सकेगी।

गौरतलब है कि ये स्वदेशी लड़ाकू विमान आत्मनिर्भर भारत के तहत भारत में ही बनाए जा रहे हैं। इन विमानों का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के द्वारा किया जा रहा है। एचएएल ने एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में हो रही देरी को लेकर कहा था कि वे एयरफोर्स की चिंताओं से वाकिफ हैं। एचएएल को इंजन का इंतजार था। अब अमेरिका से इंजन मिलना शुरू हो गया है। इस साल (2025-26) में कुल एक दर्जन एविएशन इंजन मिल जाएंगे। ऐसे में वायुसेना को एलसीए मार्क-1ए की सप्लाई जल्द शुरू हो जाएगी। भारतीय वायुसेना ने 83 तेजस एमके-1ए का ऑर्डर एचएएल को दिया है। एचएएल का कहना है कि विदेश से इंजन न मिलने के कारण इन विमानों की आपूर्ति में देरी हुई। ऐसे समय में जब भारतीय वायुसेना की स्क्वाड्रन तेजी से कम हो रही हैं तो अब एलसीए के मार्क-1ए वर्जन की सप्लाई से स्थिति बेहतर हो सकती है। इससे वायुसेना की क्षमता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

दरअसल रक्षा मंत्रालय स्वदेशी एलसीए प्रोजेक्ट को वायुसेना की मुख्य ताकत बनाने में जुटा है। यानी वायु सेना के लिए ज्यादा से ज्यादा एलसीए की स्क्वाड्रन उपलब्ध कराई जाएंगी। फिलहाल, वायुसेना के पास दो एलसीए-तेजस (मार्क-1) की स्क्वाड्रन है जिन्हें तमिलनाडु के सुलूर एयरबेस पर तैनात किया गया है। केंद्र सरकार ने मार्क-1ए के कुल 83 विमानों की मंजूरी दी है। इसके अलावा 97 अतिरिक्त विमानों के लिए योजना बनाई गई है। कुल 220 एलसीए विमान, वायुसेना के मिग-21, मिग-29 और मिराज की जगह लेंगे, जो अब पुराने हो चुके हैं। इसके साथ ही सरकार ने एलसीए के मार्क-2 वर्जन यानी मीडियम वेट फाइटर एयरक्राफ्ट के लिए भी मंजूरी दी है।

गेंद ढूंढने गए शख्स को मिला कंकाल, नोकिया फोन से खुला 10 साल पुराना राज

हैदराबाद ,एंजेंसी। हैदराबाद के नामपल्ली इलाके में एक खाली पड़े घर में 10 साल से पड़े एक कंकाल का रहस्य पुलिस ने सुलझा लिया है। सोमवार को संयोग से मिले इस कंकाल की पहचान अमीर खान नामक व्यक्ति के रूप में हुई है, जिसकी मौत लगभग एक दशक पहले हो गई थी। इस पूरे मामले का खुलासा एक पुराने नोकिया मोबाइल फोन, बंद हो चुके नोटों और मृतक के भाई द्वारा की गई पहचान से हुआ।

पुराने फोन और बंद नोटों ने खोला रहस्य

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को एक गेंद ढूंढने के दौरान एक व्यक्ति को इस खाली घर के किचन से यह कंकाल मिला था। जांच के दौरान पुलिस को कंकाल के पास से एक पुराना नोकिया मोबाइल फोन और तकिये के नीचे से चलन से बाहर हो चुके पुराने नोट मिले।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) किशन कुमार ने बताया कि फोन की बैटरी खत्म हो चुकी थी। जब उसे ठीक करवाकर चालू किया गया, तो उसके कॉल लॉग में आखिरी कॉल साल 2015 की मिली और उसमें 84 मिस्ड कॉल थीं। पुराने नोटों से इस बात की पुष्टि हुई कि मौत नोटबंदी, यानी नवंबर 2016 से भी पहले हुई थी।

भाई ने की अंगूठी और कपड़ों की पहचान

पुलिस ने बताया कि यह घर मुनीर खान का था और कंकाल उनके तीसरे बेटे अमीर खान का प्रतीत होता है, जो अविवाहित थे और इस घर में अकेले रहते थे। अमीर के छोटे भाई शादाब, जो आसपास की दुकानों से किराया वसूलते हैं, ने कंकाल के अवशेषों पर मिली एक अंगूठी और शॉर्ट्स को पहचान लिया।

एसीपी के मुताबिक, अमीर खान की उम्र मौत के समय लगभग 50 वर्ष थी और वह मानसिक रूप से कुछ विक्षिप्त थे। पुलिस को घटनास्थल से संघर्ष या खून के कोई निशान नहीं मिले हैं, जिससे यह एक स्वाभाविक मौत प्रतीत होती है। हैरान करने वाली बात यह है कि पिछले 10 सालों में उनके किसी भी भाई-बहन या संबंधी ने उनकी कोई सुध नहीं ली। पुलिस ने पहचान की अंतिम पुष्टि के लिए कंकाल के अवशेषों को फॉरेंसिक लैब में भेजा है।

आवारा कुत्तों का कहर, परीक्षा देने जा रही छात्रा को गिरा-गिराकर नोचा

इंदौर ,एंजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर में आवारा कुत्तों के आतंक की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां श्रीनगर एक्सटेंशन इलाके में परीक्षा देने जा रही एक छात्रा पर चार कुत्तों के झुंड ने जानलेवा हमला कर दिया। कुत्तों ने छात्रा को जमीन पर गिराकर बुरी तरह नोच डाला, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। यह पूरी घटना पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, छात्रा जब परीक्षा के लिए जा रही थी, तभी अचानक चार कुत्तों ने उस पर हमला बोल दिया। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि कुत्ते छात्रा पर टूट पड़ते हैं और उसे नीचे गिरा देते हैं। इसी बीच, गनीमत रही कि छात्रा की दोस्त मौके पर पहुंच गई। उसने हिम्मत दिखाकर कुत्तों को भगाया और दोबारा हमला करने से रोका। इसके बाद वह घायल छात्रा को तुरंत अस्पताल लेकर गई, जहां उसका इलाज चल रहा है।

भाषा विवाद पर प्रशांत किशोर का ठाकरे बंधुओं पर जुबानी हमला

पूर्णिया ,एंजेंसी। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी बिहार बदलाव यात्रा के तहत लगातार अलग-अलग जिलों और प्रखंडों में लोगों से संवाद कर रहे हैं। इसी कड़ी में वे बुधवार को पूर्णिया पहुंचे।

प्रशांत किशोर ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बिहार में संपूर्ण क्रांति और व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से 20 मई को जेपी की जन्मभूमि सिताब दियारा से बिहार बदलाव यात्रा की शुरुआत की गई। यात्रा का उद्देश्य व्यवस्था परिवर्तन के लिए बिहार की जनता को जागरूक करना है।

इस क्रम में महाराष्ट्र में जारी भाषा विवाद को लेकर उन्होंने ठाकरे बंधुओं पर निशाना साधते हुए कहा कि यह मामला सिर्फ और सिर्फ वहां होने वाले बीएमसी चुनाव से जुड़ा है। ये दोनों भाई लोकल बॉडी चुनाव में अपनी-अपनी पकड़ साबित करना चाहते हैं, इसलिए मराठी भाषा को लेकर विवाद कर रहे हैं।

उन्होंने दोनों भाइयों को लेकर भाजपा और कांग्रेस को भी घेरा। उन्होंने कहा कि इस मामले में दोनों भाइयों से ज्यादा जिम्मेवारी तो देश की दोनों बड़ी पार्टियों, भाजपा और कांग्रेस की है, जो इनके साथ मिलकर सरकार चलाते रहे हैं। मतदाता पुनरीक्षण को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि चुनाव आयोग का यह अभियान भाजपा का षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि वास्तव में भाजपा डरी हुई है कि बिहार के लोगों को जन सुराज के तौर पर एक विकल्प मिल गया है। इसलिए वे चाहते हैं कि समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों को परेशान किया जाए और जहां तक संभव हो उनका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग किसी की नागरिकता तय नहीं कर सकता है। यह सुप्रीम कोर्ट का निर्णय है।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अगर आपका नाम वोटर लिस्ट से कटता है, तो आप जन सुराज से संपर्क करें। हमलोग आपकी लड़ाई लड़ेंगे। प्रशांत किशोर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर किशनगंज के एमजीएम कॉलेज पर कब्जा करने के आरोप को दोहराते हुए कहा कि अभी तक भाजपा की ओर से या दिलीप जायसवाल की ओर से हमारे सवालों का जवाब देने की हिम्मत नहीं दिखाई गई है। अभी आगे हम लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उनके काले कारनामों का और खुलासा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वे गलत आरोप लगा रहे हैं, तो वे मेरे खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते?

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एसएसपी अल्मोड़ा के सख्त निर्देशों पर पुलिस की सतर्क चेकिंग

अवैध शराब के साथ एक व्यक्ति को थाना धौलछीना ने किया गिरफ्तार

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। श्री देवेन्द्र पींचा,एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के दृष्टिगत समस्त थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सख्त निर्देश दिये गये है।

दिनांक 15/07/2025 को अपर पुलिस अधीक्षक श्री हरबन्स सिंह व सीओ अल्मोड़ा श्री गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष धौलछीना श्री विजय नेगी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान पॉलिटेक्निक तिराहा बाड़ेछीना पर एक व्यक्ति पुष्कर सिंह सिराड़ी के कब्जे से 16 बोतल मैकडॉवल्स व्हिस्की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद होने पर गिरफ्तार करते हुए थाना धौलछीना में आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-

पुष्कर सिंह सिराड़ी उम्र 40 वर्ष पुत्र दीवान सिंह सिराड़ी निवासी सिराड़ा अल्मोड़ा।

हरेला त्योहार हमारे पूर्वजों की देन हैं : वृक्षमित्र डॉ सोनी

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। हरेला पर्व पर वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी व किरन सोनी ने मेरा पेड़-मेरा दोस्त अभियान के तहत जहां पौधारोपण किया वहीं उन्होंने पुलिस कर्मियों व ट्रैफिक ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को दोनो पति पत्नी ने तुलसी, तेजपत्ता के पौधे उपहार स्वरूप भेंट किए। डॉ सोनी व किरन सोनी थाना रायपुर में जाकर थाना प्रभारी गिरीश नेगी, मोहित सिंह, कलादेवी एवं फ्वाराचौक, घंटकर, थाना डालनवाला, सर्वचौक, आराघर चौकी में ड्यूटी कर रहे पुलिस कर्मियों को पौधा भेंट कर जहां हरेला का संदेश दिया वहीं पौधा उपहार में भेंटकर पर्यावरण संरक्षण व पौधारोपण करने की अपील की।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने उत्तराखंड में यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए गति खाता शुरू किया

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। बैंकिंग को आसान, सरल और सुविधाजनक बनाने के बाद, फिनो पेमेंट्स बैंक अब इस दिशा में काम कर रहा है कि ग्राहक नया खाता खोलते ही तुरंत लेनदेन शुरू कर सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए फिनो पेमेंट्स बैंक ने आज एक नया बचत खाता "गति" लॉन्च किया है, जिसका अर्थ कई भारतीय भाषाओं में 'स्पीड' या 'तेजी' होता है। यह उत्पाद विशेष रूप से उन ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो किफायती तरीके से बैंकिंग सेवाओं के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहते हैं। जैसे-जैसे भारत में डिजिटलकरण तेजी से बढ़ रहा है, यह ग्राहक वर्ग फिजिटल (फिजिकल प्लस डिजिटल) से पूरी तरह डिजिटल की ओर रुख करने को तैयार है, और इसमें युपीआय को अपनाने की बढ़ती प्रवृत्ति अहम भूमिका निभा रही है। कोई भी व्यक्ति उत्तराखंड राज्य में फैले फिनो बैंक के 4332 मर्चेंट प्वाइंट्स में से किसी पर भी जाकर गति बचत खाता खोल सकता है और इसके लाभ उठा सकता है। यह जीरो बैलेंस खाता केवल 100 की एकमुश्त खाता खोलने की फीस के साथ ई-केवाईसी प्रमाणीकरण के माध्यम से तुरंत खोला जा सकता है। खाता खोलने के बाद ग्राहक मर्चेंट की सहायता से फिनोपे मोबाइल बैंकिंग ऐप डाउनलोड कर सकते हैं, जो खुद युपीआय आयडी तैय्यार करता है जिससे तुरंत लेनदेन संभव हो जाता है। इसके अतिरिक्त, खाता रख-रखाव शुल्क सालाना नहीं बल्कि तिमाही 50 लिया जाता है, जिससे यह खाता ग्राहकों के लिए सुविधाजनक और किफायती बनता है। फिनो पेमेंट्स बैंक के नेशनल हेड (चैनल सेल्स) दर्पण आनंद ने कहा, ष्ग्रामीण ग्राहकों, यहां तक कि वरिष्ठ नागरिकों में भी स्मार्टफोन का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। गति बचत खाता हमारी इस रणनीतिक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य इस वर्ग के ग्राहकों के लिए डिजिटल बैंकिंग को और अधिक सुलभ बनाना है। राज्यभर में फैले हमारे मर्चेंट ग्राहकों को गति खाता खोलने में सहायता कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे तुरंत लेनदेन के लिए तैयार हो जाएं। हमें विश्वास है कि गति खाता ग्रामीण क्षेत्रों के और अधिक ग्राहकों को सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल बैंकिंग की ओर प्रेरित करेगा।

पर्यावरण संरक्षण को जनजागरुकता जरूरी - जोशी

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी ने हरेला पर्व पर शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि यह पावन पर्व आप सबके जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का संचार करे। उन्होंने कहा कि आज तेजी से शहरों में निर्माण कार्य हो रहे हैं नदी खालों में पेड़ काट कर कंक्रीट के जंगल का निर्माण किया जा रहा है ऐसे में एक मात्र विकल्प है कि वृक्षारोपण को मुहिम के रूप में कार्य किया जाए जिससे वातावरण शुद्ध हो हमें प्राण वायु शुद्ध मिलती रहे प्रदूषण से वातावरण को और अपने आप को बचाया जाए जिससे बीमारी न फैले इसके लिए सभी को निस्वार्थ भाव से आगे आना होगा जिसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।आज ग्लोबल वार्मिंग से पर्यावरण को खतरा पैदा हो गया है ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं जिससे मौसम में बदलाव आ रहा है जिसका नतीजा समय पर बरसात न होना सर्दी में बर्फ का न पड़ना प्रतिकूल प्रभाव पड़ना आपदाएं आना ।इन सबका एक मात्र समाधान है अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण हो ।

निधि अग्रवाल ने फिल्म सिंगल की तारीफ की, बताया-एक मजेदार यात्रा

तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण की अपकमिंग फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने मई में रिलीज हुई तेलुगू फिल्म सिंगल की तारीफ की है। उन्होंने फिल्म को एक मजेदार यात्रा बताया और कहा कि निर्देशक कार्तिक राजू ने इसे शानदार तरीके से बनाया है।

अभिनेत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, अभी-अभी सिंगल (तेलुगु) देखी!! कार्थिक राजू द्वारा शानदार तरीके से बनाई गई यह फिल्म एक शानदार यात्रा है। श्री विष्णु और विनेला किशोर ने हमें शुरू से लेकर आखिरी तक खूब हंसाया। इवाना और केतिका शर्मा और दोनों बहुत अच्छे थे। अल्लू अरविंद सर, गीता आर्ट्स और पूरी कास्ट और क्रू को बधाई।

यह फिल्म इस साल मई में रिलीज हुई थी, जो कि बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। वहीं, फिल्म निर्माता अल्लू अरविंद इस फिल्म में अभिनेता श्री विष्णु के अभिनय से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अभिनेता को फोन किया और अपने बैनर द्वारा निर्मित दो और फिल्मों में काम करने का ऑफर दिया।

फिल्म सिंगल में श्री विष्णु, इवाना और केतिका मुख्य भूमिका में थे। इसे गीता आर्ट्स, अल्लू अरविंद ने कल्याण फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया था। 9 मई को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म का निर्माण विद्या कोप्पिनीडी, भानु प्रताप और रियाज चौधरी ने किया।

अल्लू अरविंद के लिए यह फिल्म खास थी क्योंकि उनकी बेटी विद्या ने इस फिल्म का निर्माण किया था। अल्लू अरविंद ने निर्देशक कार्तिक राजू को भी बधाई देते हुए कहा था, मैं सभी दर्शकों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने साबित कर दिया कि अगर फिल्म अच्छी है तो वे थिएटर में आएंगे। विष्णु के साथ मेरा सफर अभी भी जारी रहेगा। फिल्म की नायिकाओं केतिका और इवाना ने शानदार अभिनय किया है। वहीं, विशाल चंद्रशेखर ने फिल्म के लिए बेहतरीन संगीत दिया और इसे इतना आकर्षक बनाया है। सभी युवा निर्देशकों को इस सफलता का जश्न मनाते हुए देखना बहुत खुशी की बात है।

शूलिनी विश्वविद्यालय को मिला यूजीसी का कैटेगरी-1 दर्जा

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । शूलिनी विश्वविद्यालय ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट साइंसेज, जो हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित है, को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने ग्रेडेड ऑटोनॉमी रेगुलेशंस, 2018 के तहत कैटेगरी-1 का दर्जा प्रदान किया है। यह मान्यता अकादमिक उत्कृष्टता का एक बड़ा प्रमाण है और इससे शूलिनी देश के सर्वाधिक स्वायत्त और उच्च प्रदर्शन करने वाले संस्थानों में शामिल हो गया है। यूजीसी की यह घोषणा उसकी 591वीं आयोग बैठक में की गई, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर विचार किया गया। शूलिनी विश्वविद्यालय को यह शीर्ष श्रेणी का दर्जा यूजीसी की निर्धारित कसौटियों को पूरा करने के बाद प्राप्त हुआ है, जिनमें टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स में वैश्विक स्तर पर शीर्ष 500 में बने रहना शामिल है। इस मान्यता के साथ, शूलिनी विश्वविद्यालय को कई अकादमिक और प्रशासनिक स्वतंत्रताएं प्राप्त होंगी। इनमें बिना पूर्व अनुमति के नए पाठ्यक्रम और विभाग शुरू करना, ऑफ-कैम्पस सेंटर स्थापित करना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग करना शामिल है। शूलिनी विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति प्रो. पी.के. खोसला ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, ष्यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि पहली बार में ही हमें शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कैटेगरी-1 का दर्जा प्राप्त हुआ है। इससे अनुसंधान में स्वतंत्रता और अनुदानों की सुविधा बढ़ेगी। मेरा सपना है कि आने वाले दशक में शूलिनी ऑक्सफोर्ड जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा वाला संस्थान बने। हमारे नेतृत्व में उत्कृष्टता को समर्पित शिक्षाविद् और शोधकर्ता हैं।

जयन्त चौधरी ने स्किल इंडिया मिशन के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सप्ताह भर चलने वाले समारोह का शुभारंभ किया

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर, भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने स्किल इंडिया मिशन के 10 साल पूरे होने पर सप्ताह भर चलने वाले समारोह का शुभारंभ किया। इस यात्रा को कौशल का दशक बताते हुए, उन्होंने मिशन के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाया और भारत में फ्यूचर ऑफ स्किलिंग के लिए सरकार के रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की। एक दशक के दौरान, स्किलिंग, अप्रेंटिसशिप, एंटरप्रेन्योरशिप, ग्लोबल मोबिलिटी और ट्रेडिशनल ट्रेड में ठोस प्रयासों के माध्यम से, एमएसडीई ने 6 करोड़ से अधिक भारतीयों को अपने और देश के लिए एक उज्जवल भविष्य बनाने के लिए सशक्त बनाया है।

चौधरी ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कैसे स्किल इंडिया मिशन ने भारत के युवाओं को देश और विदेश दोनों जगह परिवर्तन की एक शक्ति के रूप में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि, भारतीय कामगार अपनी कड़ी मेहनत और अनुशासन के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री ने इस छिपी हुई क्षमता को पहचाना और स्किल इंडिया मिशन के माध्यम से इसे राष्ट्रीय दिशा दी। आज यह नए भारत की एक सशक्त पहचान बन गई है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे कौशल विकास, जो पहले विभिन्न मंत्रालयों में बंटा हुआ था, अब इसे एक समन्वित प्रयास के तहत एकीकृत किया गया है और यह सरकारी विभागों, प्राइवेट सेक्टर और सिविल सोसायटी को एक साथ लाया है। उन्होंने आगे कहा कि, हमने संमिलन, गुणवत्ता और पैमाने को सुनिश्चित करने के लिए सरकार और संपूर्ण समाज का दृष्टिकोण अपनाया है।

पिछले एक दशक में, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) जैसी योजनाओं ने 1.64 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया है, जबकि 14,500 से अधिक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को गुणवत्ता, शासन और संबद्धता मानदंडों में सुधार के माध्यम से समर्थन दिया गया है। चौधरी ने विश्वास, सत्यापन और उद्योग की भागीदारी के माध्यम से रोजगार क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

माननीय मंत्री जयन्त चौधरी ने कहा जिस तरह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) शिक्षा क्षेत्र के लिए गेम चेंजर रही है, उसी तरह आगामी राष्ट्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता नीति भी भारत के कार्यबल के लिए उतनी ही परिवर्तनकारी होगी। इंपैंडिंग स्किल पॉलिसी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे लोगों के स्किल, अपस्किल एंड रीस्किल के तरीके को फिर से परिभाषित करेगा जो उन्हें तेजी से डायनामिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में आगे बढ़ने और नेतृत्व करने के लिए तैयार करेगा।

उन्होंने कैबिनेट द्वारा स्वीकृत 60,000 करोड़ की आईटीआई सुधार योजना के बारे में भी बात की, जिसमें सीएसआर कॉन्ट्रिब्यूशन से 10,000 करोड़ शामिल होंगे। उन्होंने कहा, हम फंडिंग से आगे बढ़ना चाहते हैं-हम चाहते हैं कि उद्योग पाठ्यक्रम, प्रमाणन और प्रशिक्षण मानकों को आकार दे। इस तरह हम रोज़गार योग्य युवाओं का निर्माण करते हुए आईटीआई को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं।

चौधरी ने आईटीआई में मंत्रालय द्वारा किए गए साहसिक सुधार उपायों की भी विस्तृत जानकारी दी, जिनमें पिछले छह वर्षों में 4.5 लाख खाली सीटों की डी-एफिलिएशन समाप्त करना और 99,000 से अधिक अप्रयुक्त सीटों पर लिया गया एक्शन शामिल है। उन्होंने बताया, 2024 में, हमारी आईटीआई प्रवेश दर में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो यह दर्शाता है कि युवाओं का सिस्टम में विश्वास लौट रहा है। हम केवल संख्या के लिए नहीं बल्कि गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्रद्धा पूर्वक मनाई गई सावन महीने की संग्राद व भाई तारू सिंह का शहीदी पर्व

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार देहरादून के तत्वावधान में सावन महीने की संग्राद व भाई तारू सिंह जी का शहीदी दिवस कथा-कीर्तन के रूप में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। प्रात: नितनेम के पश्चात हजूरी रागी भाई नरेंद्र सिंह ने आसा दी वार का शब्द आगै सुख मेरे मीताघ् पाछै आनद परभ कीता का गायन किया एवं सेवक परिवार के द्वारा रखे गये श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग डाले गये स हेड ग्रंथी ज्ञानी शमशेर सिंह ने महीने की कथा करते हुए कहा कि श्री गुरु अर्जन देव जी समझाते हैँ कि जो जीव सावन की हरियाली को देख कर अपने मन को गुरु जी के चरणों में समर्पित करते हैं उनका मन-तन प्रभु के सच्चे नाम में लीन हो जाता हैं भाई तारू सिंह जी ने हमें सिखाया है कि केसों की सँभाल किस तरीके से करनी चाहिए क्योंकि गुरु जी केसों को अपनी मोहर बताते हैं। भाई नरेंद्र सिंह हजूरी रागी जत्थे ने शब्द हरि मिलनै नो मन लोचदा करम मिलावन हार का गायन कर संगत को निहाल किया। भाई शमशेर सिंह ने सरबत के भले के लिए अरदास की। सरदार गुरबख्श सिंह राजन, प्रधान जी के द्वारा आई हुई संगत को संग्राद की बधाई दी। सरदार गुलजार सिंह, महासचिव ने कहा कि वह सारे ही माता-पिता बधाई के पात्र है जिनके द्वारा अपने बच्चों को गुरमत क्लासों में भेजा गया व बच्चों को पंजाबी सीखने के लिए प्रेरित किया। पिछले माह गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में तकरीबन एक माह तक चली पंजाबी व गुरमत सिखलाई की कक्षाओं में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को वह उन अध्यापिकाओं को जिन्होने बच्चों को पंजाबी पढ़ाने की सेवा की,का सम्मान किया गया। प्रतिभागी सभी विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट व प्रोत्साहन हेतु पारितोष प्रदान किए गए,तकरीबन 35 विद्यार्थियों को वह 4 अध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया। मंच का संचालन करते हुए सरदार दविंदर सिंह भसीन ने बताया कि गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के द्वारा संचालित दशमेश अकादमी स्कूल में बच्चों के लिए संगत के सहयोग से नई कम्प्यूटर लैब पुस्तकालय व कॉन्फ्रेन्स हाल का निर्माण किया गया।

कांग्रेस ने राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार को उनके पद से हटाये जाने की राज्यपाल से की मांग

देहरादून, **इंडिया वार्ता ब्यूरो** राज्यपाल उत्तराखंड ले0जन0 (अ.प्रा.) गुरमीत सिंह को लिखे पत्र में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि मैं आपके समक्ष अत्यंत गंभीर और संवैधानिक महत्व का एक ऐसा मामला प्रस्तुत कर रहा हूँ जो राज्य की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में, उत्तराखंड के राज्य निर्वाचन आयुक्त (पंचायती राज) के पद पर कार्यरत सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुशील कुमार ने एक निर्देश, निर्णय जारी किया है जिसमें कहा गया है कि शहरी निकायों (नगर पालिका,नगर निगम) और ग्रामीण निकायों (ग्राम पंचायत) दोनों में मतदाता के रूप में पंजीकृत व्यक्ति ग्रामीण निकायों में चुनाव लड़ सकता है। निर्वाचन आयुक्त का यह निर्णय प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951 का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसके तहत एक व्यक्ति एक समय में केवल एक ही निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत हो सकता है। इसके अलावा, उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया है कि ऐसा प्रावधान अवैध और असंवैधानिक है। करन माहरा ने कहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग की यह कार्रवाई एक गंभीर

संवैधानिक चूक और कदाचार को दर्शाती है, जो आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर संदेह उत्पन्न करती है। ऐसी स्थिति में सुशील कुमार का अपने पद पर बने रहना मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विपरीत होगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने महामहिम राज्यपाल से अनुरोध किया है कि इस मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए सुशील कुमार को उनके पद से हटाने के लिए उचित संवैधानिक कार्रवाई की जाय। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने महामहिम राज्यपाल से मुलाकात का समय भी चाहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि राज्यपाल की ओर से इस मुद्दे पर शीघ्र, निष्पक्ष और संवैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मीडिया विभाग उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने महामहिम राज्यपाल उत्तराखंड ले0जन0 (अ.प्रा.) गुरमीत सिंह से राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार को उनके पद से हटाये जाने की मांग की है।

राज्यपाल उत्तराखंड ले0जन0 (अ.प्रा.) गुरमीत सिंह जी को लिखे पत्र में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री करन माहरा ने कहा कि मैं आपके समक्ष अत्यंत गंभीर और संवैधानिक महत्व का एक ऐसा मामला प्रस्तुत कर रहा हूँ जो राज्य की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, उत्तराखंड के राज्य निर्वाचन आयुक्त (पंचायती राज) के पद पर कार्यरत सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री सुशील कुमार ने एक निर्देशध्निर्णय जारी किया है जिसमें कहा गया है कि शहरी निकायों (नगर पालिकाध्नगर निगम) और ग्रामीण निकायों (ग्राम पंचायत) दोनों में मतदाता के रूप में पंजीकृत व्यक्ति ग्रामीण निकायों में चुनाव लड़ सकता है। निर्वाचन आयुक्त का यह निर्णय प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951 का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसके तहत एक व्यक्ति एक समय में केवल एक ही निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत हो सकता है। इसके अलावा, माननीय उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया है कि ऐसा प्रावधान अवैध और असंवैधानिक है। करन माहरा ने कहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग की यह कार्रवाई एक गंभीर संवैधानिक चूक और कदाचार को दर्शाती है, जो आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर संदेह उत्पन्न करती है। ऐसी स्थिति में सुशील कुमार का अपने पद पर बने रहना मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विपरीत होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि इस मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए सुशील कुमार को उनके पद से हटाने के लिए उचित संवैधानिक कार्रवाई की जाय।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने महामहिम राज्यपाल से मुलाकात का समय भी चाहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि राज्यपाल की ओर से इस मुद्दे पर शीघ्र, निष्पक्ष और संवैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

वीआईपी संस्कृति का घोर प्रदर्शन: बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने उड़ाई DGCA के निर्देशों की धज्जियां - गरिमा

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । चारधाम यात्रा के दौरान लगातार हो रही हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को देखते हुए भारत सरकार के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने बरसात के मौसम में हवाई सेवाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश उत्तराखंड की अधिकृत एजेंसी CADA को जारी किए थे। इन निर्देशों का उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना था, ताकि मानसून के दौरान किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

लेकिन आज इन निर्देशों की अवहेलना करने के लिए उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी को आढ़े हाथों लिया जिन्होंने हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम की यात्रा कर न केवल नियमों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि एक बार फिर वीआईपी संस्कृति को खुला समर्थन दिया।

दसौनी ने कहा कि जब आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उड़ानों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है, तो बीकेटीसी अध्यक्ष को यह विशेष छूट कैसे और क्यों दी गई? यह सीधा-सीधा "एक देश, दो नियम" की स्थिति को दर्शाता है और सरकारी नियमों के प्रति असम्मान का उदाहरण है। दसौनी ने कहा कि हम यह मांग करते हैं कि: 1. बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के इस गैर-जिम्मेदाराना और नियम-विरोधी कृत्य पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

2. UCADA और DGCA स्पष्ट करें कि इस उड़ान की अनुमति किस आधार पर दी गई।

3. चारधाम यात्रा के संचालन में समानता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाए ताकि आम श्रद्धालुओं के साथ भेदभाव न हो। गरिमा ने कहा कि यह प्रकरण केवल एक हेलीकॉप्टर उड़ान का नहीं, बल्कि सत्ता और पद के दुरुपयोग का प्रतीक है जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

प्रथम पृष्ठ का शेष हरेला पर्व पर राज्यव्यापी पौधारोपण .

सुनिश्चित करना होगा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए, जब तक वे वृक्ष का रूप न ले लें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण को नया आयाम

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे 'पंचामृत संकल्प', 'नेट ज़ीरो इमिशन', 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' और 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार भी इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष देशभर में 108 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु ठोस पहल- स्त्रक्क का गठन

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (SARRA)' का गठन किया गया है। इसके माध्यम से अब तक 6,500 से अधिक जल स्रोतों का संरक्षण और 3.12 मिलियन घन मीटर वर्षा जल का संचयन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है और वाहनों में कूड़ेदान अनिवार्य कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें, जिससे पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन बनाया जा सके।

कृषि मंत्री गणेश जोशी और वन मंत्री सुबोध उनियाल ने भी दी शुभकामनाएं

कृषि मंत्री श्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड में श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरांत वृक्षारोपण करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रमाण है। हरेला पर्व हमें यह सिखाता है कि प्रकृति की रक्षा करना केवल दायित्व नहीं, बल्कि एक पुनीत कर्तव्य है।

वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि लोकपर्व हरेला प्रदेश के 2,389 स्थानों पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हरेला पर्व पर लगाए गए पौधों का सर्वाइवल रेट 80 प्रतिशत से अधिक रहा है। उन्होंने जल स्तर में हो रही गिरावट को गंभीर चिंता का विषय बताया और कहा कि इसके लिए हमें पौधारोपण एवं जलधाराओं के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने होंगे।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, श्री खजान दास, देहरादून के मेयर श्री सौरभ थपलियाल, मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, पुलिस महानिदेशक श्री दीपम सेठ, प्रमुख वन संरक्षक श्री समीर सिन्हा सहित वन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया..

श्री सिंधिया ने कहा, इंडिया पोस्ट सिर्फ एक सेवा नहीं, बल्कि हमारे देश के सुदूर कोनों को जोड़ने वाली एक जीवनरेखा है। देश के हर कोने से ऊर्जा, प्रतिबद्धता और विचारों को देखकर गर्व होता है। संगठन की प्रगतिशील गति की सराहना करते हुए, श्री सिंधिया ने इंडिया पोस्ट की कॉर्पोरेट-शैली संरचना अपनाने के लिए प्रशंसा की, जो प्रदर्शन मानकों, नवोन्मेषों और जवाबदेही को प्राथमिकता देती है। उन्होंने एक पेशेवर, सेवा-केंद्रित संस्कृति विकसित करने के महत्व पर बल दिया जिससे कि इंडिया पोस्ट अपने सार्वजनिक सेवा के उद्देश्य को बरकरार रखते हुए लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सेवाओं में मजबूती से प्रतिस्पर्धा कर सके। इसके अतिरिक्त, श्री सिंधिया ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न सर्किलों में 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत की महत्वाकांक्षी वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो विशिष्ट कार्य क्षेत्रों में उनकी क्षमता के अनुरूप होगा। यह लक्ष्य, इंडिया पोस्ट को बिना अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से समझौता किए, भारत सरकार के लिए एक स्थायी लाभ केंद्र में बदलने के व्यापक मिशन का हिस्सा है।

चर्चाओं में बुनियादी ढांचे के विकास, प्रक्रिया सरलीकरण, क्षमता निर्माण और डिजिटल सक्षमता तथा इंडिया पोस्ट को भविष्य के लिए तैयार, अंतिम छोर तक लॉजिस्टिक्स और सेवा प्रदान करने वाले पावर हाउस के रूप में स्थापित करने के लिए सभी आवश्यक घटकों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल था। वार्षिक व्यावसायिक बैठक का समापन व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने तथा पूरे संगठन में सेवा, नवोन्मेषण और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के मजबूत सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

लोक पर्व "हरेला" हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्साः महाराज

नौलों-धारों के संरक्षण लिए जलागम ने बनाया 'भगीरथ एप'
जलागम मंत्री ने हरेला पर किया वृक्षारोपण रोपण, "जलागम दर्पण" पत्रिका का भी किया लोकार्पण

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। हमारी सरकार उत्तराखण्ड के प्राकृतिक संसाधनों और यहां की हरियाली के संरक्षण के लिए अत्यंत गंभीर है। इसके लिए हर स्तर प्रयास किए जा रहे हैं। जलागम विभाग द्वारा भी केन्द्र पोषित %प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जलागम घटक 2.0% तथा विश्व बैंक वित्त पोषित उत्तराखण्ड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना के माध्यम से हरियाली और पानी को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं।

उक्त बात प्रदेश के जलागम, पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, पंचायतीराज, लोक निर्माण, सिंचाई एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को इंदिरानगर स्थित जलागम निदेशालय परिसर में लोक पर्व हरेला पर वृक्षारोपण करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कही। उन्होंने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेला पर्व उत्तराखण्ड की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण लोकपर्व है। यह पर्व प्रकृति और हरियाली के प्रति हमें अपनी जिम्मेदारी का एहसास करवाता है। हर वर्ष श्रावण मास में मनाया जाने वाला यह लोकपर्व नई फसलों की शुरूआत का प्रतीक है। यह सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

जलागम एवं संस्कृति मंत्री श्री महाराज ने कहा कि प्रदेश सरकार उत्तराखण्ड के प्राकृतिक संसाधनों और यहां की हरियाली के संरक्षण के लिए अत्यंत गंभीर है और इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी वनस्पतियों और पेड-पौधों के कारण ही पानी संरक्षित होता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जलागम विभाग द्वारा केन्द्र पोषित %प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जलागम घटक 2.0% तथा विश्व बैंक वित्त पोषित उत्तराखण्ड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना के माध्यम से हरियाली और पानी को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। जलागम मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जलागम विभाग के अंतर्गत 'स्प्रिंग एण्ड रिवर रिजुविनेशन एथॉरिटी (सारा) का गठन भी किया गया है। इसके अंतर्गत नौलों और धारों के संरक्षण में सभी प्रदेशवासियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए %भगीरथ एप% बनाया गया है। इसके माध्यम से वह अब तक पाँच हजार से अधिक जलस्रोत चिन्हित किए जा चुके हैं। श्री महाराज ने कहा कि प्रदेश को हरा भरा करने के लिए जलागम और पंचायतीराज विभाग को साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि हमारे जलस्रोत पुनर्जीवित हो लोक पर्व हरेला को मनाने का उद्देश्य पूरा हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी जीवन में वृक्षों के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के लिए "एक वृक्ष माँ के नाम जैसे अभियान का शंखनाद किया है जो भावनात्मक रूप से हम सभी को धरती की हरियाली से जोड़ता है। श्री महाराज ने कार्यक्रम के दौरान जलागम द्वारा प्रदेश में किए गये कार्यों पर आधारित पत्रिका "जलागम दर्पण" का भी लोकार्पण किया।

इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, जलागम सचिव दिलीप जावलकर, परियोजना निदेशक डॉक्टर हिमांशु खुराना, डॉक्टर एस के डिमरी, डॉक्टर एस के सिंह, नवीन सिंह बरफाल, डॉ मीनाक्षी जोशी, दीपचंद सहित जलागम के अनेक कर्मचारी एवं अधिकारियों उपस्थित थे।

सड़क संसद मे मनाया गया हरेला, विभिन्न सामाजिक सगठनों ने की शिरकत

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। चौपाल के संयोजक व मालती रावत सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार द्वारा उत्तराखण्ड की लोक परम्परा, प्रकृति, पर्यावरण, खुशहाली का प्रतीक "हरेला उत्सव" आज सड़क संसद, दीन दयाल पार्क, गांधी रोड, देहरादून मे आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों ने हरेला उत्सव मे बढ़चढ़ कर भागीदारी कर संयुक्त रुप से हरियाली की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर बोलते हुए उत्तराखण्ड कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चौपाल के संयोजक व मालती रावत सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि हरेला हमारी परम्परा, हमारी संस्कृति की प्रतीक है माँ नंदा देवी के मायके से जुड़ी हमारी परम्पराओं को इससे जोड़कर देखा जाता है उत्तराखण्ड् में हमारी बेटीयों को मायके से खुशहाली के रुप में हरियाली भेजने की परम्परा है, शिव-पार्वती के रुप में भी ये परम्परा विद्धमान रही है। उन्होने कहा कि राज्य की जनता को हरेला महसोत्सव व घी संक्राद की शुभकामनाए देते हुए कहा कि हमें अपने राज्य की इस प्राकृतिक व सास्कृतिक विरासत को अपने आने पीढी के लिये भी सहज के रखना है, इस प्रकृतिक व सास्कृतिक विविधता के सम्वर्धन व सुवर्धन के लिये भी प्रयास करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अपना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम भटट ने सभी को हरेला की शुभकामना देते हुए बताया हमें अपने राज्य की इस प्राकृतिक व सास्कृतिक विरासत को अपने आने पीढी के लिये भी सहज के रखना है, इस प्रकृतिक व सास्कृतिक विविधता के सम्वर्धन व सुवर्धन के लिये भी प्रयास करना है। उन्होने कहा कि आज घी संक्राद भी है मैं राज्य के सब लोगों को हरेला महोत्सव व घी संक्राद की शुभकामनाए दी। कार्यक्रम का संचालन कर रहे मोहन सिंह नेगी ने जनकवि सतीश धौलाखण्डी से हरेला उत्सव के उपलक्ष्य मे पेड़ है सासे पेड़ है जीवन गीत गाया गया उपस्थित सभी लोगों ने ताली बजाकर धौलाखण्डी का उत्साह बढ़ाया। पं0 शशि बल्लभ शास्त्री द्वारा हरियाली की पूजा अर्चना सम्पन्न कराई तथा झंगोरे की खीर व मंडुवे की पकौड़ी के प्रसाद के रुप में वितरित की गई। इस अवसर पर कामरेड़ जगदीश कुकरेती, कामरेड़ समर भण्डारी, राज्य आन्दोलनकारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी, कामरेड़ सोहन सिंह रजवार, कांग्रेस नेता महेन्द्र गुरुजी, पूर्व ज्यूष्ठ प्रमुख जौनपुर महिपाल सिंह रावत, जनकवि सतीश धौलाखण्ड़ी, कुलदीप प्रसाद, अधिवक्ता प्रेम सिंह दानू, हरजिन्दर सिंह, विकास कुमार, राकेश पंत, प्रो0 प्रदीप जखमोला, अवधेश पंत, ट्रेड यूनियन राकेश डोभाल, आकाश राणा, हरीश जोशी, जसवंत सिंह जगपांगी, संजय कोठियाल, मंजूर अहमद बेग, आदि उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने हरेला पर्व पर किया वृक्षारोपण, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला के शुभ अवसर पर आज कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अपने शासकीय आवास पर अपनी धर्मपत्नी निर्मला जोशी के साथ एक फलदार वृक्ष का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मंत्री जोशी ने हरेला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हरियाली, समृद्धि और नव ऋतु के आगमन का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, हरेला जितना अधिक बढ़ेगा, किसान की फसल उतनी ही अधिक फलदायी होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हरेला उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें प्रकृति, हरियाली और पशुपालन के साथ सामंजस्य बिठाने का संदेश देता है। उन्होंने यह भी बताया कि श्रावण मास में हरेला पूजन के बाद वृक्षारोपण की परंपरा उत्तराखंड की एक अनूठी पहचान है।

कृषि मंत्री ने इस मौके पर सभी से卐एक वृक्ष दस पुत्र समान卐 की भावना के साथ पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने जानकारी दी कि पूरे प्रदेश में विभिन्न संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और आम जनता के सहयोग से बड़े पैमाने पर फलदार पौधों का रोपण किया जा रहा है।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक
दैनिक इंडिया वार्ता
कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।
दूरभाषः 7500581414,9359555222